प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

ऑनलाइन वाद–विवाद प्रतियोगिता का सफल आयोजन

पंतनगर। 29 मार्च 2026। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग तथा न्यूट्रीशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनएसआई)–पंतनगर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में 'ऑनलाइन वाद–विवाद प्रतियोगिता' का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'अल्ट्रा–प्रोसेस्ड फूड्सः सुविधा या एक विनाश' रखा गया, जिस पर प्रतिभागियों ने पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का आयोजन अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल, संयोजक, एनएसआई–पंतनगर चैप्टर डा. रीता सिंह रघुवंशी, सचिव, एनएसआई–पंतनगर चैप्टर डा. अर्चना कुशवाहा एवं कोषाध्यक्ष, एनएसआई–पंतनगर चैप्टर डा. नीतू डोभाल के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता का संचालन सुव्यवस्थित रूप से किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने निर्धारित दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए अपनी प्रस्तुति दी।

प्रतिभागियों ने अल्ट्रा–प्रोसेस्ड फूड्स के सकारात्मक पक्षों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ये रेडी–टू–ईट होने के कारण व्यस्त जीवनशैली में समय बचाने का सरल विकल्प हैं। इनमें प्रयुक्त प्रिजर्वेटिव्स के कारण इन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है तथा ये सस्ते और आसानी से उपलब्ध होते हैं। वहीं, विपक्ष में बोलते हुए प्रतिभागियों ने इसके दुष्प्रभावों को रेखांकित किया और बताया कि इनमें फाइबर, विटामिन एवं खनिजों की कमी होती है तथा ये 'खाली कैलोरी' प्रदान करते हैं। साथ ही, इनमें अधिक मात्रा में चीनी, नमक एवं अस्वास्थ्यकर वसा पाए जाते हैं, जिनके अधिक सेवन से मोटापा, टाइप–2 मधुमेह, हृदय रोग एवं उच्च रक्तचाप जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

निर्णायक मंडल में डा. अनुपमा पांडेय, सहायक प्राध्यापक एवं प्रभारी, प्रसार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग तथा डा. वर्षा रानी, वरिष्ठ जिला प्रसार विशेषज्ञ, गृह विज्ञान, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में कुल 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें मान्या छाबड़ा ने प्रथम, नीरजा शर्मा ने द्वितीय तथा शांभवी झा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

निदेषक संचार